दो वाचाएं

ओवन ऑल्ब्रट

> ''निदान, पहिली आज्ञा निर्बल; और निष्फल होने के कारण लोप हो गई। (इसलिए कि व्यवस्था ने किसी बात की सिद्धि नहीं की) और उसके स्थान पर एक ऐसी उत्तम आशा रखी गई है जिसके द्वारा हम परमेश्वर के समीप जा सकते हैं'' (इब्रानियों 7:18, 19)।

पौलुस ने सजीव उदाहरण देते हुए पुरानी और नई वाचा की तुलना के बारे में लिखा:

> तुम जो व्यवस्था के आधीन होना चाहते हो, मुझ से कहो, क्या व्यवस्था की नहीं सुनते? यह लिखा है, कि इब्राहीम के दो पुत्र हुए; एक दासी से, और एक स्वतंत्र स्त्री से। परन्तु जो दासी से हुआ, वह शारीरिक रीति से जन्मा; और जो स्वतंत्र स्त्री से हुआ, वह प्रतिज्ञा के अनुसार जन्मा। इन बातों में दृष्टांत हैं, ये स्त्रियां मानों दो वाचाएं हैं, एक तो सीना पहाड़ की जिस से दास ही उत्पन्न होते हैं; और वह हाजिरा है। और हाजिरा मानों अरब का सीना पहाड़ है, और आधुनिक यरूशलेम उसके तुल्य है, क्योंकि वह अपने बालकों समेत दासत्व में है। पर ऊपर की यरूशलेम स्वतंत्र है, और वह हमारी माता है (गलतियों 4:21-26)।

स्पष्टत:, हाजिरा पुरानी वाचा का प्रतिनिधित्व करती है। मसीही लोग दासी की संतान के बजाय स्वतन्त्र स्त्री अर्थात सारा की संतान हैं जो नई वाचा है। वह इस्राएल के साथ परमेश्वर की वाचा का प्रतिनिधित्व करती है (गलतियों 4:31)। दासी की संतान स्वतन्त्र स्त्री की संतान के साथ वारिस नहीं हो सकती (गलतियों 4:30)। पुत्रों को वारिस माना जाएगा, दासों को नहीं (गलतियों 4:7)।

पहली वाचा इस्राएल की संतान के साथ थी (निर्गमन 34:27, 28)। नई वाचा के अधीन वारिस वे लोग हैं जो परमेश्वर के पुत्र हैं अर्थात जिन्होंने मसीह में बपतिस्मा लिया है (गलतियों 3:26, 27)। पहली वाचा के अधीन लोग स्वतन्त्र स्त्री की संतान अर्थात मसीह की वाचा के अधीन लोगों के साथ वारिस नहीं होंगे। पहली वाचा की दासता से स्वतन्त्र होकर, मसीही लोगों को अब गुलामी के जुए में दोबारा नहीं जाना चाहिए। मसीह ने हमें

स्वतन्त्र किया है (गलतियों 5:1)।

प्रेरित लोग नई वाचा के सेवक हैं (2 कुरिन्थियों 3:6), जो कि पत्थरों पर लिखी दस आज्ञाओं से अधिक तेजोमयी वाचा है। पहली वाचा मृत्यु की तथा दोषी ठहराने वाली सेवकाई है (2 कुरिन्थियों 3:7-9)। परमेश्वर की महिमामय उपस्थिति में उस वाचा को पाने के बाद, मूसा को अपना मुंह ढांपना पड़ा था ताकि इस्राएल उसके चेहरे के तेज को देख न पाए (2 कुरिन्थियों 3:7-13; निर्गमन 34:27-33)।

पौलुस द्वारा कुरिन्थुस के मसीहियों के नाम पत्र लिखने तक पत्थर पर लिखी वह वाचा जिसमें नई वाचा का तेज नहीं था (2 कुरिन्थियों 3:9, 10) नहीं रही थी। ''क्योंकि जब वह जो घटता जाता था तेजोमय था, तो वह जो स्थिर रहेगा, और भी तेजोमय क्यों न होगा'' (2 कुरिन्थियों 3:11)। नई वाचा जिसका वह सेवक था आज भी है, परन्तु जो पत्थर पर लिखी गई थी, उसका तेज अब कम हो गया है।

जो व्यवस्था परमेश्वर ने इस्राएलियों को दी थी इसने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया था और यीशु मसीह की नई वाचा के आने से यह समाप्त हो गई थी। अब जबकि नई वाचा यीशु के लहू और मृत्यु से बांधी जा चुकी है हम अब इस्राएलियों के साथ बंधी परमेश्वर की वाचा के अधीन नहीं हैं। इन्होंने अपना उद्देश्य पूरा कर लिया और इनका अन्त हो गया ताकि यीशु की तेजोमय वाचा जिसकी वे परछाईं थे, अपने पूरे तेज में चमक सकें।